भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3767

11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: आम के किसानों को सहायता

3767. श्री मड्डीला गुरूमूर्तिः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि तोतापुरी आम की कीमतों में भारी गिरावट के कारण बार-बार अभ्यावेदन दिए जाने के बावजूद आंध्र प्रदेश विशेषकर, चित्तूर और तिरुपति जिलों के आम उत्पादक किसान बार-बार संकट का सामना कर रहे हैं;

(ख) क्या सरकार को खरीद, मूल्य स्थिरता, निर्यात, अनुसंधान और किसान सहायता को मजबूत करने के लिए तिरुपति में राष्ट्रीय आम बोर्ड और चित्तूर में राष्ट्रीय आम अनुसंधान केंद्र की स्थापना के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ग) यदि हां, तो प्राप्त प्रस्तावों पर कार्रवाई करने में, यदि कोई विलंब हुआ है, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) आंध्र प्रदेश में आम के विपणन, प्रसंस्करण, निर्यात और आम उत्पादकों के लिए आय सुरक्षा में सुधार करने के लिए प्रस्तावित समयबद्ध उपायों का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): सरकार को मार्केटिंग सीजन के दौरान चित्तूर और तिरुपति जिलों सहित आंध्र प्रदेश में तोतापुरी आम के मूल्यों में गिरावट की जानकारी है। राज्य से प्राप्त अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने मार्केटिंग सीजन 2026-27 के लिए मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (एमआईएस) के अंतर्गत 2,16,250 मीट्रिक टन (एमटी) तोतापुरी आम की खरीद को 1,747 रुपये प्रति क्विंटल के मार्केट इंटरवेंशन प्राइस (एमआईपी) पर मंजूरी दी है।

(ख) एवं (ग): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। हालांकि, आईसीएआर- केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान (सीआईएसएच), लखनऊ और आईसीएआर-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (आईआईएचआर), बेंगलुरु, आम की नई उच्च उपज वाली किस्मों के विकास और उच्च घनत्व रोपण, कैनोपी मैनेजमेंट, एकीकृत कीट/ रोग प्रबंधन, पोषक तत्व प्रबंधन, फसलोपरांत प्रबंधन और विस्तार जैसी खेती तकनीकों पर कार्य कर रहे हैं।

(घ): तोतापुरी आम उत्पादकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों की जांच के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), डॉ. वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों सहित एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया। समिति ने चित्तूर और तिरुपति सहित तोतापुरी आम उत्पादक प्रमुख जिलों का दौरा किया और किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), प्रोसेसर्स, व्यापारियों, जिला प्रशासन और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श किया।

विशेषज्ञ समिति ने आम के विपणन, प्रसंस्करण, निर्यात और किसानों की आय सुरक्षा में सुधार के लिए कई अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश की है, जिनमें पुराने और आम के जीर्ण बागानों का पुनरुद्धार और ऊपरी भाग की छंटाई (टॉप वर्किंग), पुरानी किस्मों को नई और बेहतर किस्मों से बदलना, गूदे के उपयोग को बढ़ाने के लिए रस, आरटीएस, नेक्टर आदि में 20% गूदे का मिश्रण, वर्धित प्रसंस्करण क्षेत्रीय खरीद और भंडारण इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्यात प्रोत्साहन शामिल हैं।

आईसीएआर-केंद्रीय उपोष्णकटिबंधीय बागवानी संस्थान (आईसीएआर-सीआईएसएच), लखनऊ द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राज्य बागवानी विभाग ने चित्तूर और तिरुपति जिलों में उपरी भाग की छंटाई किए जाने वाले (टॉप वर्किंग) बागों के विकास के लिए किसानों का चयन पहले ही पूरा कर लिया है।

******